द्वारका में सोसाइटी की छत पर लगा 100 किलोवॉट का सोलर पावर प्लांट

- सामान्य बिजली के मुकाबले करीब आधी दर पर मिलेगी यह बिजली
- सोसाइटी के बिजली बिल में सालाना 2.70 लाख रूपये की होगी बचत

नई दिल्लीः 4 मई, 2018। द्वारका स्थित शिव भोले कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी की छत पर 100 किलोवॉट का एक सोलर पावर प्लांट लगाया गया है। इस प्लांट को सीधे बीएसईएस के ग्रिड से जोड़ा गया है। ग्रिड से जोड़ने की वजह से, सौर ऊर्जा से बनने वाली बिजली को भारी–भरकम बैटरियों में स्टोर करने की जरूरत नहीं है। यानी, सौर ऊर्जा की बिजली अब सीधे बीएसईएस के ग्रिड में जाएगी, और वहां से उसे उपभोक्ताओं के इस्तेमाल के लिए सप्लाई किया जाएगा।

शिव भोले सोसाइटी के उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा की यह बिजली, दिल्ली में सप्लाई की जाने वाली ग्रिड की सामान्य बिजली के मुकाबले करीब आधी दर पर मिलेगी। वहां के उपभोक्ताओं को इस सोलर प्लांट की बिजली, जेनरेशन आधारित इंसेंटिव को मिलाकर, करीब 2.60 रूपये प्रति यूनिट की दर पर मिलेगी, जो कि दिल्ली में सप्लाई की जाने वाली ग्रिड की बिजली के मुकाबले लगभग 2.40 रूपये कम है।

इस सोलर प्लांट से शिव भोले सोसाइटी के बिजली बिल में सालाना 2.70 लाख रूपये की बचत होगी। इस सोसाइटी में 60 फ्लैट हैं। इस हिसाब से, हर फ्लैट को बिजली बिल के रूप में सालाना 4500 रूपये की बचत होगी। साथ ही, इससे प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी आएगी।

द्वारका का यह सौर ऊर्जा प्लांट, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड की महत्वाकांक्षी सोलर सिटी पहल का एक हिस्सा है। बीआरपीएल ने यह पहल, भारत–जर्मन सोलर साझेदारी प्रोजेक्ट के तहत जीआईजेड इंडिया के साथ मिलकर शुरू की है। ग्रीन रिपल्स प्राइवेट लिमिटेड ने रेस्को बिजनेस मॉडल के तहत इस सोसाइटी पर सोलर प्लांट लगाया है। रेस्को मॉडल, प्रतियोगितात्मक बिडिंग के माध्यम से, एक सेवा के तौर पर बिजली उपलब्ध कराने की अनुमति देता है। इंद्रप्रस्थ पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड – आईपीजीसीएल – द्वारा इसकी बिडिंग कराई गई।

साउथ ऐशिया जर्मन फेडरल मिनिट्री ऑफ इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट के भारत डिविजन के प्रमुख डॉ वुल्फ्रैम क्लेन ने आज एक सादे समारोह में इस सौर ऊर्जा प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीआरपीएल के सीईओ श्री अमल सिन्हा और नई दिल्ली में जर्मन एम्बेसी में इकनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट की प्रमुख सुश्री सुसैन डोरासिल भी उपस्थित थे। इनके अलावा बीएमजेड, जीआईजेड व ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के सदस्य भी वहां मौजूद थे।

डॉ वुल्फ्रैम क्लेन ने कहा– भारत में ऊर्जा के बदलाव यानी एनर्जी ट्रांजिशन की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी देखना एक उत्साहवर्धक अनुभव है। टिकाउ ऊर्जा हासिल करने का यही एक रास्ता है, जैसा कि हमने जर्मनी में देखा है।

बीआरपीएल सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– शहर में सौर ऊर्जा की क्रांति के नेतृत्व में बीआरपीएल अग्रणी भूमिका निभा रही है। अपने नेटवर्क में वैकल्पिक ऊर्जा को जोड़ने के फायदों के बारे में बीआरपीएल भली–भांति जानती है। हम चाहेंगे

कि द्वारका में कम से कम 2.5 मेगवॉट का सोलर पावर प्लांट लगाया जाए। यह साफ है कि सोलर और अन्य हरित ऊर्जा आने वाले समय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हम सामने से इस बदलाव का नेतृत्व करना चाहते हैं।

सोलर पावर प्लांट शुरू होने पर शिव भोले सोसाइटी के निवासी काफी उत्साहित हैं। सोसाइटी की असोसिएशन के प्रजिडेंट श्री अनंत कुमार ने कहा– आर्थिक बचत और पर्यावरण को होने वाले फायदों को देखते हुए सोसाइटी के सदस्यों ने एकमत से रूफऑप सोलर पावर प्लांट लगाने का निर्णय लिया। इसके अलावा, प्लांट लगाने वालों के द्वारा यह ऑफर दिया गया था कि प्लांट लगाने के लिए सोसाइटी को पैसे नहीं खर्च करने होंगे। इस ऑफर ने तेजी से निर्णय लेने में मदद की।

क्या है बीआरपीएल का सोलर सिटी इनिशिएटिव

बीआरपीएल द्वारा शुरू की गई यह एक ऐसी पहल है, जिसके तहत दक्षिण और पश्चिम दिल्ली की अधिक से अधिक सोसाइटियों की छतों पर सौर ऊर्जा के प्लांट लगाने की योजना है। पारंपरिक तरीकों से अलग, इस योजना के तहत पूरे अपार्टमेंट की छत पर एक सिंगल पॉइंट प्लांट लगाया जाएगा। इसके पहले चरण में, द्वारका की सोसाइटियों पर सौर ऊर्जा प्लांट्स लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सोसाइटियों के रेस्पॉन्स को देखते हुए, पूरे बीएसईएस इलाके में इसका विस्तार किया जाएगा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....